

17.5.2014

पत्रावली पेरा हुई। वकील वही न्यायित्री अपेक्षित
नहीं। वकील वही न्यायित्री को कार-कार था। वाज
लगाई। छि भी दाजिर नहीं। वाड वही थान-
पेची व थान दाजरी में वाजीन बिपा जाता है।
पत्रावली तम्ब से कम की जाऊ कए व वही
व वकील जाणा दाखिल दफतर हो।

म-

